

Breakout sustains

CRUDE CHECK. Rally appears imminent

Akhil Nallamuthu

bl. research bureau

Crude oil managed to end the week marginally higher despite staying flat for most part of last week. Brent crude oil futures on the Intercontinental Exchange (ICE) was up 1.4 per cent as it closed at \$86.4 per barrel, whereas crude oil futures on the MCX gained 0.9 per cent by ending the week at ₹6,805 a barrel.

BRENT FUTURES (\$86.4)

Brent Crude futures continue to trade above the key resistanceturned-support at \$84. This is a positive sign and so, the chances for a rally from the current level are high.

In the coming sessions, there might be some correction, possibly to \$84. But we expect Brent crude futures to resume the upswing, potentially appreciating to \$92. *En route*, it can face a hurdle at \$87 but it is unlikely to alter the course of trend.

The bull trend will remain valid so long as the contract stays above base at \$81.

MCX-CRUDE OIL (₹6,805)

Crude oil futures (July expiry) has been on a rally since the first



GETTY IMAGES/ISTOCKPHOTO

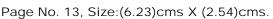
week of June. It began on the back of the support at ₹6,100.

Last week, it moved within the tight range of ₹6,700-6,850. Yet, the broader trend is positive, and we can expect an upside from the current market price.

The contract shows potential to rally to ₹7,100 in the near term. Immediate resistance above ₹7,100 is at ₹7,500.

But before the above said surge in price, the crude oil futures might see a moderation in price to ₹6,500. In case the downswing extends and the price falls below ₹6,350, the short-term outlook can turn bearish.

Trade strategy: We suggested long at ₹6,750 last week. Hold this trade and add longs if the price dips to ₹6,500. Retain the stop-loss at ₹6,300. Book profits at ₹7,100.





CRUDE WATCH

OIL PRICES EASE

New York: Oil prices fell on Friday as investors weighed weak US fuel demand and took some money off the table at quarter-end, while key inflation data for May boosted the chances the Federal Reserve will start to cut interest rates this year. REUTERS



Sun, 30 June 2024 https://epaper.india





बी.आर. काम्बोज ने 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट' का किया उद्घाटन

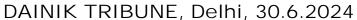
वैभव न्यज 🔳 चंडीगढ

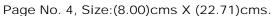
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गोबर गैस प्लांट का उद्घटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर.के.वी.वाई) की वित्तीय सहायता से पुननिर्मित की गई है।

प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मुल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पुरा करने के लिए एक महत्वपुर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मुल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रयोगशाला में कृषि अवशेषों जैसे पराली, डंठल, छिलके तथा अन्य अपशिष्टों से मुल्यवर्धक वस्तुएं बनाई जाएंगी। जिनमें बायोगैस, बायोइथेनॉल, बायोडीजल, कम्पोस्ट, जैव सिऋय यौगिक जैसे पॉलीफीनोल्स जो एंटीमाइऋोबियल एवं एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि वाले होते हैं तथा पॉलीहाइडोक्सीब्य्रेट का उत्पादन

सक्ष्मजीवों के द्वारा किया जाता है। इस लैब में कृषि अपशिष्टों के विश्लेषण, बायोगैस के विश्लेषण, मेथेनोजन के विकास के लिए अनारोबिक चेंबर, जैव इंधन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टर जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण हैं एवं बायोफ्यूल उत्पादन के लिए कृषि खाद्य अपशिष्ट, हरित संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स तथा पोल्टी अपशिष्ट जैसे विभिन्न योजकों का उपयोग किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अपशिष्ट पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य पर कम करना है। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन रोजगार के अवसर प्रदान करने तथा अर्थव्यवस्था में सधार करने के अवसर भी प्रदान करता है। सुक्ष्म जीव विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. कमला मलिक को प्रयोगशाला का प्रभारी एवं डॉ. शिखा महता को सह प्रभारी बनाया गया है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी एवं इंधन की कमी की पूर्ति करने में गोबर गैस प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हकृवि ने गोबर द्वारा चलने वाले जनता मॉडल के बायो गैस प्लांट को संशोधित करके ऐसा डिजाइन तैयार किया है जो ताजे गोबर से चलता है।







हकृवि में 'प्रयोगशाला एवं बायोगैस प्लांट का उद्घाटन

हिसार, २९ जून (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मुल्यांकन प्रयोगशाला' व संशोधित गीबर गैस प्लांट का उद्घाटन किया। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से पुननिर्मित की गई है। प्रो. काम्बोज ने 'बायोमेथनेशन एवं अपशिष्ट मूल्यांकन प्रयोगशाला' के बारे में बताया कि यह लैब हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण समृद्धि और स्वच्छता के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयोगशाला कृषि अवशेषों के मूल्यवर्धक उत्पाद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।